खनिज गवेषण निगम लि० (एम० ई० सी० एल०) द्वारा जिला सिंहभूम (बिहार) में कुन्दरकोचा स्वर्ण निक्षेप के पोरोजरना ब्लाक में किए गए विस्तृत गवेषण से लगभग 7741 टन स्वर्ण अयस्क के संभावित भंडार की पृष्टि हुई है, जिसमें से 3223 टन अयस्क में 4.19 ग्राम/टन औसत ग्रेड स्वर्ण है और 4518 टन अयस्क में 19.48 ग्राम/टन स्वर्ण है ।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा मध्य प्रदेश के रायगढ़ जिले में पंडरीपानी क्षेत्र में 1.3 ग्राम/टन स्वर्ण युक्त 0.4 मिलियन टन के एक स्वर्ण अयस्क भंडार होने का अनुमान लगाया गया है ।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा बस्तर जिले में गुरवांडी ब्लाक में किए गए क्षेत्रीय सर्वेक्षण से 0.2 ग्राम/टन से 7.5 ग्राम/टन स्वर्ण युक्त स्वर्ण खनिजीकरण के क्षीण जोन का पता चला है ।

हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड में घाटा

1657. **श्री महेन्द्र सिंह लाठर :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों में भारी गिरावट के लगातार आयात के विसरणीकरण, आयात-शुल्क में कटौती से हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड में भारी घाटा होने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तीय वर्ष के अन्त में हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड को कुल कितना घाटा होने का अनुमान है और इससे इसकी लाभप्रदता पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ; और

(ग) सरकार इस स्थिति में किस तरह से सुधार करने का विचार रखती है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) जी हां ।

(ख) हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड को वर्ष 1993-94 के दौरान 60.00 करोड़ रु० से अधिक घाटा होने का अनुमान है । इससे कंपनी के विकास कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

(ग) सरकार ने औद्योगिक, व्यापार और वित्तीय नीतियों को उदार बनाया है ताकि देशी उद्योग प्रौद्योगिकी का उन्नयन तथा वेहतर क्वालिटी के कच्चे माल का आयात जैसे उपाय करके उत्पादों की क्वालिटी में सुधार और प्रतियोगिता कर सकें ।

छोटानागपुर में मूल्यवान खनिज भंडार

1658. **श्री रंजन प्रसाद यादव** : क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के छोटानागपुर पठार में सतह के 10 से 15 फुट के भीतर भारी मात्रा में केयनाइट, ग्रेफाइट, डोलोमाइट, बाक्साइट, लाइम स्टोन, अग्नि सह मिट्टी, चीनी मिट्टी, जैसे मूल्यवान खनिज भंडार उपलब्ध है;

(ख) क्या यह सच है कि इस क्षेत्र में कोयला भंडार भी हैं;

(ग) क्या खुले गर्त वाली खानों के खनन के कारण ये सभी मूल्यवान खनिज नष्ट हो जाते हैं क्योंकि उन्हें अधिभार के साथ निकाल दिया जाता है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार अपनी खनन प्रक्रिया में परिवर्तन करने का विचार रखती है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) और (ख) बिहार के छोटा नागपुर पठार में कायनाइट, ग्रेफाइट, डोलामाइट, बाक्साइट, चूना-पत्थर, फायरक्ले और चायनाक्ले जैसे खनिजों के भंडार पाये जाते हैं । इस क्षेत्र में खनन योग्य कोयले के निक्षेप भी मिलते हैं ।

(ग) और (घ) फायरक्ले के निक्षेप अनेक कोयला क्षेत्रों में कोयला निक्षेपों के साथ मिलते हैं और खुली खान परियोजनाओं में ऊपरी-भार के साथ इन निक्षेपों का खनन किया जाता है ।

भारत अल्युमिनियम कंपनी द्वारा उत्पादन

1659. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि :

(क) भारत अल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड, कोरबा (मध्य प्रदेश) द्वारा वर्ष 1991-92 में कुल कितनी मात्रा में किस प्रकार के माल का उत्पादन किया गया और उसका मूल्य कितना था;

(ख) उक्त वर्षों में बिक्री की गई अल्युमिनियम की मात्रा और साथ ही बिक्री के लिए भेजने के दौरान ट्रकों से चोरी चली गई अल्युमिनियम की मात्रा कितनी-कितनी है;

(ग) 30 जून, 1993 तक लापता हो गए अथवा माल सहित चोरी चले गए ट्रकों के ब्यौरे सहित उन पर लदे माल के मूल्य का ब्यौरा क्या है; और

(घ) अन्य ट्रकों से तथा अल्युमिनियम सामग्री से लदे हुए ट्रकों से चोरी करने के लिए दोषी पाए गए व्यक्तियों का तथा उनके विरूद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) भारत अल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड के कोरबा स्मेल्टर में उत्पादन का ब्यौरा इस प्रकार है :—

उत्पादन	1991-92		1992-93	
	मात्रा टन में	मूल्य लाख रु० में	मात्रा टन में	मूल्य लाख रु० में
इंगोट आदि	29408	107.79	32832	131.65
तार छड़	34035	124.36	32371	129.29
एक्सट्रूजन	6152	34.35	5623	32.71
रोल्ड उत्पाद	22416	104.47	20221	107.99

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान बेचे गए एल्यूमिनियम की मात्रा और रास्ते में ट्रकों से चोरी किए गए एल्यूमिनियम की मात्रा नीचे दी गई है :—

	1991-92	1992-93
बेचे गए एल्यूमिनियम की मात्रा	88.473 टन	77.047 टन
रास्ते में ट्रकों से चोरी किए गए एल्यूमिनियम की मात्रा	49 टन	9 टन

(ग) ट्रकों सहित उस एल्यूमिनियम माल का ब्यौरा, जो उपर्युक्त दो वर्षों की अवधि के दौरान लापता हो गया था, इस प्रकार है :—

वर्ष	ट्रक नम्बर	एल्यूमिनियम की मात्रा	अनुमानित मूल्य लाख रु० में
1991-92	ए० एम० वाई-1451	9 टन	4.9
1991-92	बी० पी० एल-8195	9 टन	4.9
1991-92	बी० आर० 1/एच-1101	13 टन	5.09
1991-92	सी० टी० ई-2562	9 टन	6.42
1991-92	सी० पी० जी-9819	9 टन	4.83
1992-93	एम० के० ओ-9792	9 टन	5.05

रास्ते में लापता माल के उपर्युक्त सभी मामलों में बाल्को ने इन्सोरेन्स कंपनी को दावे पेश किए और टक नं० सी० टी० ई० 2562 से 6.42 लाख रु० मूल्य को छोड़कर, पूरा भुगतान प्राप्त कर लिया है । इस मामले में ट्रक में लापता माल की रकम के लिए ट्रांसपोर्टर ने बाल्को के पक्ष में बैंक गारंटी दी है ।

(घ) ट्रकों से माल गुम होने के लिए दोषी पाए गए व्यक्तियों का पुलिस प्राधिकारियों द्वारा अभी पता नहीं लगाया गया है ।

संसद-सदस्यों के पत्रों का उत्तर न दिया जाना

1660. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय और अधीनस्थ कार्यालयों में 1 जुलाई, 1992 से 30 मार्च, 1993 के दौरान संसद-सदस्यों से कुल कितने पत्र प्राप्त हुए तथा उनमें से कितने पत्रों का अभी तक उत्तर नहीं दिया गया है; और